मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–011

स्नातकोत्तर उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एस.के.-011 : बौद्ध और जैन अध्ययन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्डों को हल करना अनिवार्य है। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही उत्तर दीजिए। सभी उत्तरों का माध्यम केवल एक भाषा हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी* ***या*** *संस्कृत हो।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 15 = 60$

1. प्रथम बौद्ध धम्म संगीति के आयोजन की पृष्ठभूमि पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

2. बौद्ध धर्म के उद्भव के क्या कारण थे ? विस्तार से लिखिये।

3. जैन दर्शन के उद्भव एवं विकास का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. बौद्धकालीन समाज और संस्कृति का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. जैन-दर्शन के सम्प्रदाय कौन-कौन से हैं ? उनके सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

6. जैन दर्शन का परिचय देते हुए जैन दर्शन में स्वीकृत तत्वों का विवेचन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 दस अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

7. बौद्ध संस्कृत साहित्य पर प्रकाश डालिए।

8. बौद्ध संस्कृति द्वारा दिए गए 'विश्व के अवदान' को स्पष्ट कीजिए।

9. आर्य अष्टांगिक मार्ग का वर्णन कीजिए।

10. तीर्थंकर परम्परा के आरम्भ की कथा का वर्णन कीजिए।

11. जैन संस्कृति द्वारा भारतीय संस्कृति को दिए गए विशिष्ट योगदान का वर्णन कीजिए।

12. 'त्रिरत्न' का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

× × × × × × ×